Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

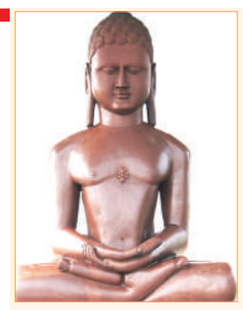

श्री 1008 भगवान महावीर के 2625वें जन्मकल्याणक पर दैनिक विश्व परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

प्रदीप जैन (संपादक), आलोक जैन
प्रियेश जैन , प्रसंग जैन, यश जैन, अतिशय जैन,
अरनव जैन एवं समस्त विश्व परिवार परिवार

● अंक : 270 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, मंगलवार 31 मार्च 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

नक्सलवाद के खात्मे पर लोकसभा में चर्चा

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- नक्सल मुक्त हुआ छत्तीसगढ़

नई दिल्ली। नक्सल मुक्त भारत पर लोकसभा में अहम बहस हो रही है। केंद्र सरकार की ओर से नक्सलियों के खिलाफ सफल अभियान का पूरा खाका पेश किया जा रहा है। नक्सल मुक्त भारत बनाने की डेडलाइन 31 मार्च 2026 है। ऐसे में डेडलाइन से एक दिन पहले लोकसभा में इस अहम मुद्दे पर चर्चा हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अब छत्तीसगढ़ अब नक्सल मुक्त हो गया है. कांग्रेस के समय आदिवासियों का विकास नहीं हुआ। उन्होंने नक्सलवाद के लिए पूर्व की कांग्रेस सरकार की नीतियों को भी दोषी ठहराया। सदन में गृहमंत्री अमित शाह ने

कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की गईं। देश के पिछड़े इलाकों का विकास हुआ। फिर नक्सलवाद को खत्म करने का अभियान शुरू हुआ क्योंकि इन इलाकों में नक्सलवाद के चलते विकास में काफी परेशानी आ रही थी। गृहमंत्री शाह ने कहा कि सीएपीएफ़ कोबरा, राज्य पुलिस, डीआरजी के जवान और स्थानीय आदिवासियों को इसका श्रेय जाता है। वामपंथी उग्रवाद समाप्त होने जा रहा है, इसमें जनता का भी काफी सहयोग है। इस अभियान में सुरक्षा बलों के जिन जवानों ने अपना बलिदान दिया उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

पीएम मोदी गुजरात में 5,300 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मंगलवार को गुजरात में शहरी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और जीवन की गुणवत्ता में

सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई लगभग 5,300 करोड़ रुपये की 44 शहरी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला रखेंगे। पीएम मोदी स्वास्थ्य और परिवार कल्याण से जुड़ी विभिन्न पहलों का भी उद्घाटन करेंगे, जिनमें अहमदाबाद के असरवा स्थित सिविल अस्पताल में 858 बिस्तरों वाले रेन बसेरा और गांधीनगर के सिविल अस्पताल और जीएमईआरएस मेडिकल कॉलेज में इसी तरह की सुविधाओं का उद्घाटन शामिल है। प्रधानमंत्री कार्यालय (सेवा तीर्थ) ने इसकी जानकरी दी हैं। पीएम मोदी पाटन स्थित रानी की वाव में लाइट एंड साउंड शो, शर्मिष्ठा झील, वडनगर में वाटर स्क्रीन प्रोजेक्शन शो सहित पर्यटन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और बनासकांठा में बलराम महादेव और विश्वेश्वर महादेव में पर्यटन अवसंरचना कार्यों की आधारशिला रखेंगे, जिनका उद्देश्य पर्यटन अनुभव को बढ़ाना और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है। पीएम मोदी लगभग 1,780 करोड़ रुपये की लागत वाली दो प्रमुख जल पाइपलाइन परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिनमें बनासकांठा में कसारा-दंतीवाड़ा पाइपलाइन और पाटन और बनासकांठा के बीच से गुजरने वाली दिंद्रोल-मुक्तेश्वर पाइपलाइन शामिल हैं।

मुनि श्री 108 वर्धमान सागराय नमः मुनि श्री 108 देवेश सागराय नमः

श्री 1008 भगवान महावीर की 2625वीं जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

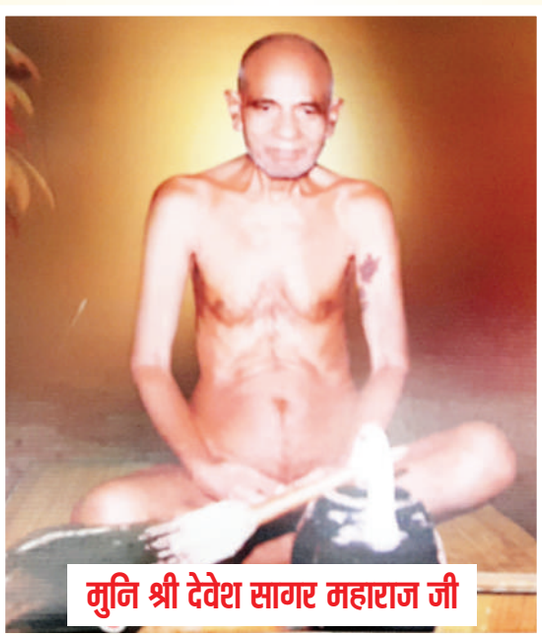

अंकुर इंडस्ट्रीज़
रायपुर-राजनांदगांव-जयपुर
9713110231- 9300003531
निर्मल छाबड़ा एवं समस्त छाबड़ा परिवार

भगवान महावीर जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर
समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
श्री संजय गंगवाल एवं समस्त गंगवाल परिवार
श्री श्याम रोलिंग मिल्स
R.R. INDUSTRIAL CORPORATION (I) LTD
An ISO 9001:2015 Certified Company
Since 1986
Head Offie:
Station Road, Telghani Naka,
Raipur (C.G.)
Branch Offices:
Hyderabad, Bangalore, Indore,
Rourkela, GOA, Sikar, Ahmedabad,
Nagpur, Lucknow, Mumbai, NCR
Email: rrindustrial@rrsteelraipur.com,
rrsteelraipur@gmail.com
Website: www.rrsteelraipur
Contact: 0771-4008301-330
Group Companies:-
M/s Shree Shyam Rolling Mill
(Manufacturer of MS Flat , MS ROUNDS,
MS SQUARE & MINING)
Acholi , Kanhea, Urla Industrial Area, Raipur (C.G.)
M/s Roopgarh Power & Alloys Pvt Ltd
(MANUFACTURER OF POWER)
Banjari , Bagaud , Thesil Kurud, Dhamtari (C.G.)
Authorised Dealer & MOU Holder
सेल SAIL JSW Steel JINDAL PANTHER TMT REBARS
IS 2062 CM/L-7407873
ULTIMATE SOURCE IN STEEL SUPPLIES
Connect us @

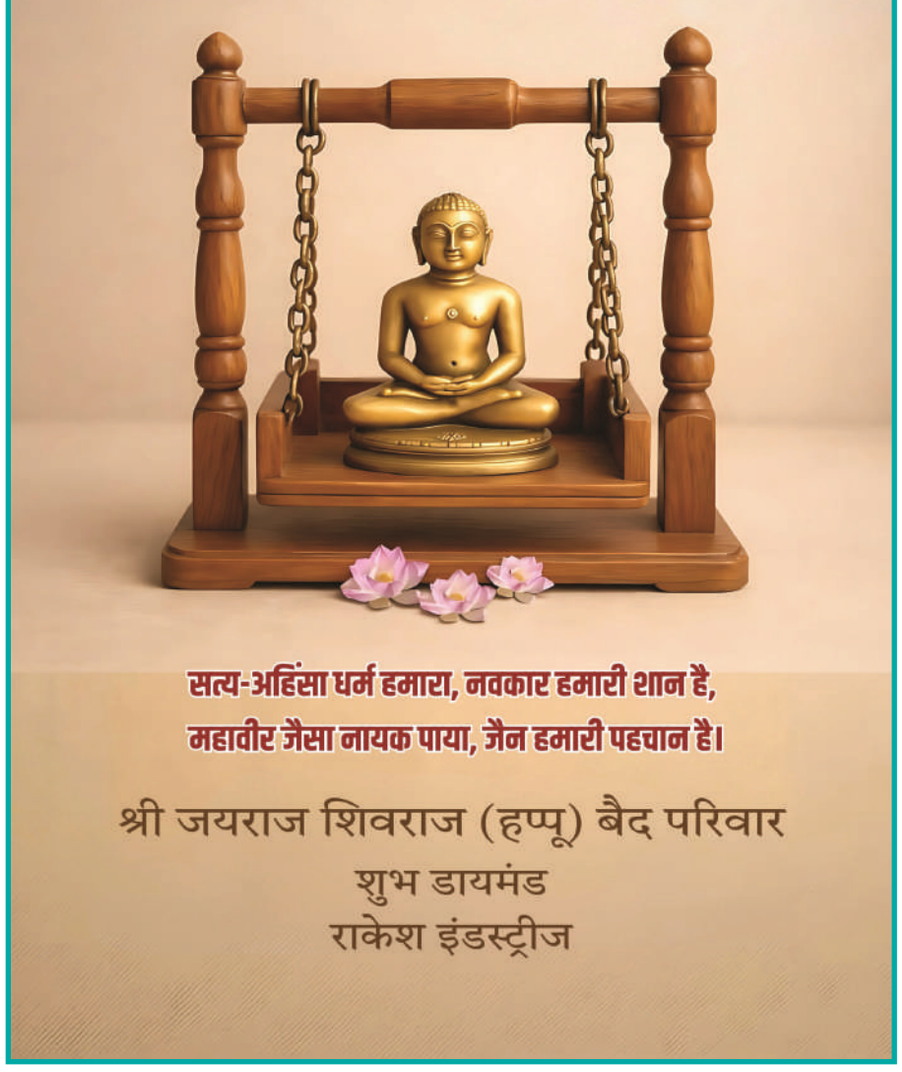

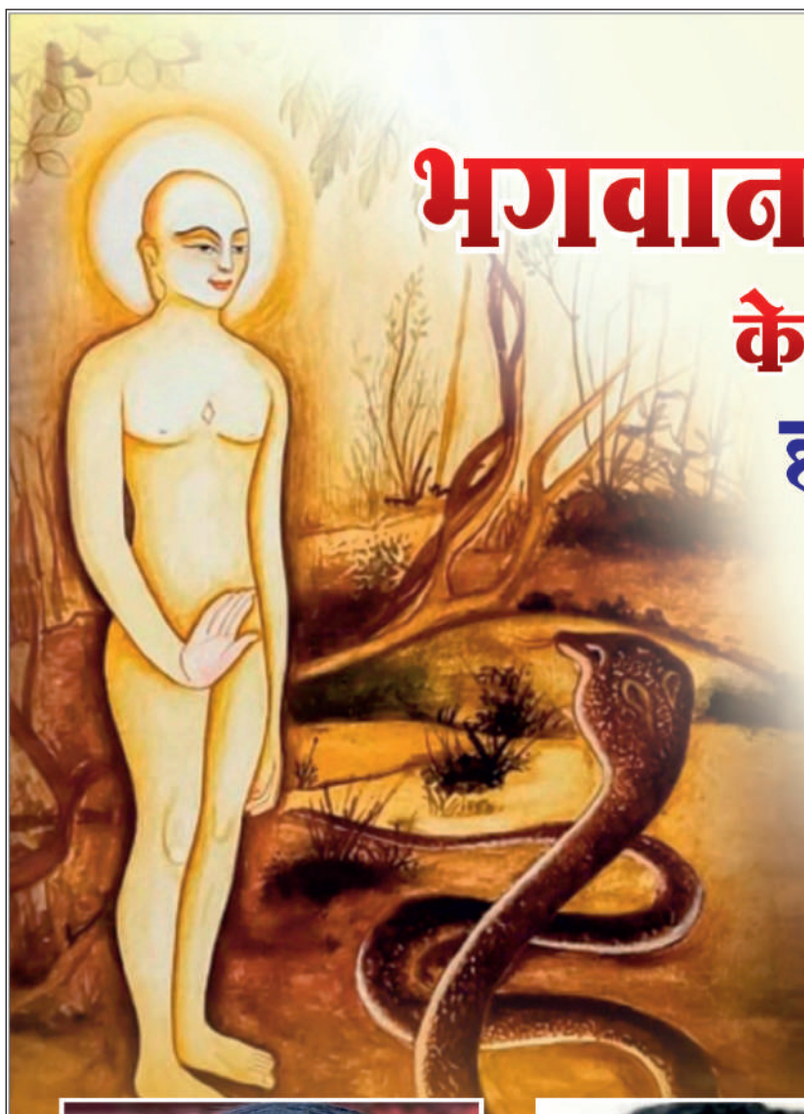

// अहिंसा परमो धर्मा //

परस्परोग्रहो जीवानाम्

भगवान महावीर जन्मकल्याणक

के अवसर पर प्रदेशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं...

वरघोड़ा

मंगलवार 31 मार्च 2026, समय : प्रात 8.00 बजे

श्री दिगम्बर जैन मंदिर मालवीय रोड से प्रारंभ होकर श्री ऋषभदेव जैन श्वेताम्बर मंदिर सदर बाजार से होते हुए श्री जिनकुशलसूरी जैन दादाबाड़ी तीर्थ, एम.जी. रोड पहुंचेगी।

वीर भक्ति गीत प्रतियोगिता

(रायपुर नगर के स्थानीय मंडलों की भक्तिमय प्रस्तुति)

जैन रत्न अलंकरण समारोह

रात्रि 7.30 बजे से
जैन दादाबाड़ी तीर्थ, एम.जी. रोड

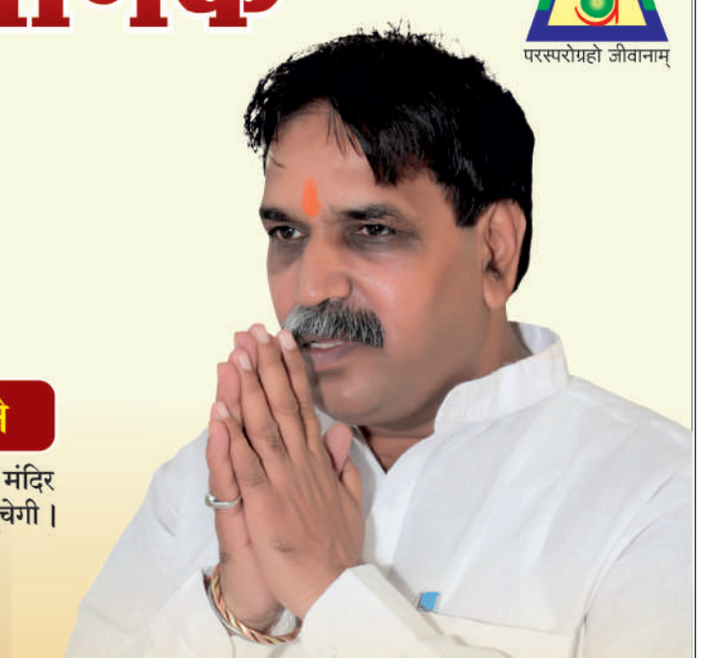

राजेश मूणत
मुख्य संरक्षक
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति
विधायक, रायपुर पश्चिम

महेन्द्र कोचर
पूर्व अध्यक्ष व प्रमुख सलाहकार
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति
संस्थापक श्री विनय मित्र मण्डल
महासचिव श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट

विजय चोपड़ा
पूर्व अध्यक्ष व प्रमुख सलाहकार
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति
ट्रस्टी, उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ, नगपुरा

गजराज पगारिया
संरक्षक
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति
अध्यक्ष - उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ, नगपुरा

तिलोकचंद बरड़िया
पूर्व अध्यक्ष श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट
पूर्व अध्यक्ष महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति
चेयरमेन - जीतो रायपुर चेप्टर

जैन विनोद वड़जात्या
अध्यक्ष
सकल दिगम्बर जैन समाज, रायपुर
संरक्षक - महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

चंद्रेश शाह
अध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

गोल्डी लूनिया
महासचिव
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

विकास सेठिया
कोषाध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

हेमंत बैद
कार्यकारी अध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

आनंद जैन
सचिव
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

विरेन्द्र डागा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

सुरेश बाघमार
ट्रस्टी, उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ, नगपुरा

सीए. संतोष गोलछा
संरक्षक
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति
अध्यक्ष, श्री साधुमार्ग शांतक्रांति जैन श्रावक संघ

महावीर कोचर
पूर्व अध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

सिद्धार्थ डागा
पूर्व महासचिव
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

विरेन्द्र पारख
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

मनीष डागा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

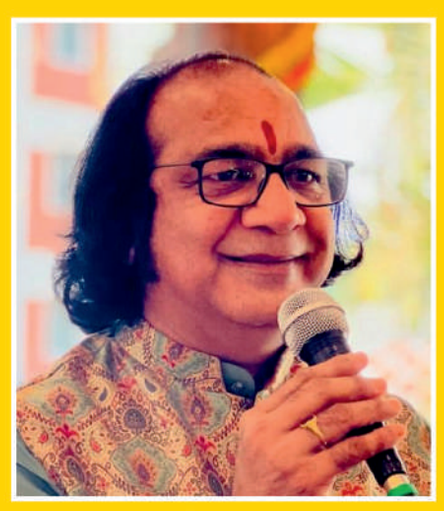

रमेश बुरड़
वरिष्ठ समाजसेवी

रानु लूनिया
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति

विजय कांतिलाल बुरड़
वरिष्ठ समाजसेवी

सकल जैन समाज, रायपुर (छ.ग.)

GLOBAL 1 WORLD
WE UNDERSTAND REAL ESTATE
BUY | SALE | RENT | LEASE | CONSTRUCTION
ASHTVINAYAKA REALTIES
CG RERA150322A000647
त्याग, तपस्या एवं तर्पण की मूर्ति
भगवान
महावीर जन्मोत्सव
की हार्दिक बधाई एवं शुभ मंगलकामनाएं
Gulmohar GREENS आवासीय प्लॉट
Ashyinayaka CITY KANDUL ROAD Near Kamal Vihar, Raipur आवासीय प्लॉट
महादेव नगर SEJBAHAR Before GE Road, Old Dhamtari Road, Raipur आवासीय प्लॉट
Vedanta City Phase 2 KANDUL ROAD आवासीय प्लॉट
HIMALAYA GOLD DONGARGARH आवासीय प्लॉट
GOLF GREENS SEJBAHAR आवासीय प्लॉट
ASHTVINAYAKA PREMIUM CITY आवासीय प्लॉट
Aranoy City WOODLAND CHATTOD आवासीय प्लॉट
Radhe Krishna NAGAR Phase-2 आवासीय प्लॉट
Abhinav CITY MOWA Behind Ambuja Mall 2BHK/3BHK फ्लॅट
WIND CHIMES SADDU, Near AMBIKA MALL Vidhan Sabha Road, Raipur 2BHK/3BHK फ्लॅट
PROUD BNI MEMBER
Dr. Ashish Jain
Realtor | Entrepreneur | Speaker
7000509584 9329633321
CG RERA 010618 A000187
www.global1world.com
9302050100 (Office)
global1worldashish@gmail.com
G1 - Ground Floor, Maharaja Plaza, Beside SBI, Lalpur, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.) 492001

|| परस्परोपग्रहो जीवानाम् || || जीयो और जीने दो ||
राजपाठ था तो राजा थे
सिंहासन छूटा तो ''महावीर'' हुए!
महावीर-स्वामी नयन-पथ-गामी भवतु में
भगवान महावीर जन्मकल्याणक दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
ATUL Publicity
www.atulpublicity.com
Chhattisgarh | Madhya Pradesh | Rajasthan

महावीर जन्म कल्याणक
की हार्दिक शुभकामनायें...
100% Veg
जय जिन शासन, जैनम् जयति शासनम्,
जैन धर्म की जय जयकार के साथ...
अहिंसा
®हर खुशी. हर उमंग.
नैवेद्य के संग
ब्रेड • खारी • कुकीस एवं अन्य बेकरी उत्पाद भी.
NAIVEDYA
SINCE 1994
नैवेद्य फुड प्रॉडक्ट्स
• 6,7 शास्त्री मार्केट, रायपुर 7771008500 • शंकर नगर, रायपुर 7771008502
• 6,7, रहेजा टॉवर्स, जेल रोड, रायपुर 7771008501

भगवान महावीर
जन्मकल्याणक की
समस्त शहरवासियों को
बधाई एवं शुभकामनायें...
भगवान महावीर का
दिव्य संदेश...
जियो और
जीनो दो.
राजेश मूणत
विधायक रायपुर नगर पश्चिम एवं पूर्व केबिनेट मंत्री (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 31 मार्च 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

भगवान महावीर दूरदर्शी, वर्तमान परिस्थितियों अनुकूल अहिंसा परमोधर्म का व्यापक सिद्धांत प्रतिपादित किया

जिओ और जीने दो,पंचशील,अनेकांतवाद,अपरिग्रह प्रमुख सिद्धान्त संजय जैन बड़जात्या कामां

संजय जैन बड़जात्या

वर्तमान परिदृश्य में संपूर्ण विश्व में मानवीय मूल्यों का बहुत तेजी से ह्रास हो रहा है। चारों ओर अराजकता, अशांति, अत्याचार पापाचार,दुराचार यहां तक की युद्ध जनित हिंसा का वातावरण ही दृष्टिगोचर हो रहा है। सम्पूर्ण विश्व हिंसा की आग में तप रहा है ऐसे में भगवान महावीर स्वामी द्वारा प्रदत्त अहिंसा परमो धर्म का सिद्धांत बड़ा ही प्रासंगिक व महत्वपूर्ण नजर आता है अर्थात वर्धमान की वर्तमान को महती आवश्यकता है। अहिंसा के अग्रदूत,जैन धर्म के अंतिम व चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को ईसवी सवंत से 599 वर्ष पूर्व वैशाली गणराज्य के कुंड ग्राम में इच्छवाकु वंश के क्षत्रिय परिवार के महाराजा सिद्धार्थ व माता त्रिशला के आंगन में हुआ। मात्र 30 वर्ष की आयु में संसार से विमुक्त हो राज वैभव का त्याग कर वैराग्य धारण कर लिया और स्वयं एवं पर के आत्म कल्याण मार्ग पर निकल गए। 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई इसके पश्चात उन्होंने समोशरण में ज्ञान प्रसारित किया। 72 वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी स्थित पदम सरोवर से मोक्ष अर्थात निर्वाण की प्राप्ति हुई। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयायी बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिम्बसार,कुणीक,चेटक आदि भी शामिल थे। जैन समाज द्वारा महावीर स्वामी के जन्म दिवस को महावीर जन्मकल्याणक तथा उनके मोक्ष दिवस को दीपावली पर्व पर निर्वाण कल्याणक के रूप में मनाया जाता है। जैन ग्रन्थों के अनुसार समय-समय पर धर्म तीर्थ के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है। जो सभी जीवो को आत्मिक सुख प्राप्ति का उपाय बताते हैं। जैन आगम अनुसार तीर्थंकरों की संख्या चौबीस है तो भगवान महावीर वर्तमान अवसर्पिणी काल के चौबीसवें अर्थात अंतिम तीर्थंकर थे और ऋषभदेव (आदिनाथ) भगवान पहले तीर्थंकर थे। हिंसा ,पशु बलि, जात-पात का भेदभाव जिस युग में बढ़ गया उस युग में भगवान महावीर का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को पंचशील सिद्धांत से अवगत कराया यथा अहिंसा, सत्य, अचौर्य,ब्रह्मचर्य,अपरिग्रह उन्होंने अनेकान्तवाद, स्वाद्वाद और अपरिग्रह जैसे अद्भुत सिद्धांत प्रदान किये। महावीर के सर्वोदय तीर्थ में क्षेत्र, काल, समय या जाति की सीमाएं नहीं थी। भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक समान है इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं के लिये पसंद हो, यही महावीर का जिओ और जीने दो का सिद्धांत है। जैन ग्रन्थों जिन्हें जिन आगम कहा जाता है के अनुसार उनके जन्म के बाद राज्य में उन्नति होने से उनका नाम वर्धमान रखा गया था। जैन ग्रंथ उत्तर पुराण में वर्धमान, वीर, अतिवीर, महावीर और सन्मति ऐसे पांच नामों का उल्लेख है। दिगंबर परंपरा के अनुसार महावीर बाल ब्रह्मचारी थे। भगवान महावीर शादी नहीं करना चाहते थे क्योंकि ब्रह्मचर्य उनका प्रिय विषय था। भोगों में उनकी रुचि नहीं थी, परंतु उनके माता-पिता शादी करवाना चाहते थे। दिगंबर परंपरा के अनुसार उन्होंने इसके लिए मना कर दिया था और वह बाल ब्रह्मचारी रहे।भगवान महावीर का साधना काल 12 वर्ष का था। दीक्षा लेने के उपरांत भगवान महावीर ने दिगंबर साधु की कठिन चर्या को अंगीकार किया और निर्वस्त्र रहे। अपने पूरे साधना काल के दौरान महावीर ने कठिन तपस्या की और मौन रहे, इन वर्षों में उन पर कई उपसर्ग भी हुई जिनका उल्लेख कई प्राचीन जैन ग्रन्थों में मिलता है जैन ग्रन्थों के अनुसार केवल ज्ञान प्राप्ति के बाद भगवान महावीर ने उपदेश दिया। उनके ग्यारह गणधर मुख्य शिष्य थे। जिनमें प्रथम गौतम इंद्रभूति थे। भगवान महावीर द्वारा प्रदत्त पंचशील के सिद्धांत जीवन में मूल्य की स्थापना कर उन्नत जीवन की कला बताते हैं।

सत्य

सत्य के बारे में भगवान महावीर स्वामी कहते हैं ।हे पुरुष! तू सत्य को ही सच्चा तत्व समझ, जो बुद्धिमान सत्य की ही आज्ञा में रहता है वह मृत्यु को तैरकर पार कर जाता है।

अहिंसा

इस लोक में जितने भी त्रस जीव एक,दो,तीन,चार और पंचेंद्रीय वाले जीव हैं उनकी हिंसा मत कर, उनको उनके पथ पर जाने से न रोको, उनके प्रति अपने मन में दया का भाव रखो। उनकी रक्षा करो, यही अहिंसा का संदेश भगवान महावीर अपने उपदेशों में हमें देते हैं।

अचौर्य

दूसरे की वस्तु को बिना उनके दिए हुए ग्रहण करना जैन ग्रन्थों में चोरी कहा गया है।

अपरिग्रह

परिग्रह पर भगवान महावीर कहते हैं जो आदमी खुद सजीव या निर्जीव चीजों का संग्रह करता है दूसरे से ऐसा संग्रह कराता है या दूसरों को ऐसा संग्रह की सम्मति देता है उसको दुखों से कभी छुटकारा नहीं मिल सकता यही संदेश अपरिग्रह के माध्यम से भगवान महावीर दुनिया को देना चाहते हैं।

ब्रह्मचर्य

महावीर स्वामी ब्रह्मचर्य के बारे में अपने बहुत ही अमूल्य उपदेश देते हैं कि ब्रह्मचर्य उत्तम तपस्या, नियम,ज्ञान, दर्शन,चारित्र, संयम और विनय की जड़ है तपस्या में ब्रह्मचर्य श्रेष्ठ तपस्या है जो पुरुष स्त्रियों से संबंध नहीं रखते वह मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ते हैं। वास्तविक रूप से भगवान महावीर स्वामी दूरदर्शी व भविष्यवेत्ता थे, जिन्होंने वर्तमान परिस्थितियों को भली भांति समझते हुए आने वाले भविष्य के लिए अहिंसा परमो धर्म का मूल सिद्धांत संपूर्ण विश्व को दिया। जिसकी आज की परिस्थितियों में महती आवश्यकता है, जहां संपूर्ण विश्व युद्ध की विभीषिका से जल रहा है। ऐसे समय में अहिंसा परमो धर्म के सिद्धांत से ही विश्व शांति की कामना की जा सकती है।

भगवान महावीर की 2625वीं जयंती 30 मार्च 2026 पर विशेष

वर्तमान संदर्भ में भगवान महावीर के अहिंसा सिद्धांत की प्रासंगिकता

(भगवान महावीर के सिद्धांतों से ही वैश्विक शांति संभव)

डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

आज का वैश्विक परिदृश्य गहन चिंता का विषय बन गया है। विज्ञान और तकनीक की अभूतपूर्व ऊँचाइयों को छू लेने के पश्चात भी मानव का अंतर्मन असंतुलित और अशांत दिखाई देता है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाज़ा संघर्ष तथा इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि भौतिक प्रगति के बावजूद मनुष्य ने आंतरिक शांति को कहीं खो दिया है। ऐसे संक्रमणकाल में भगवान महावीर का अहिंसा-संदेश केवल आध्यात्मिक उपदेश नहीं, बल्कि वैश्विक नीति का आधार बनने की क्षमता रखता है। भगवान महावीर, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर, वैशाली के कुंडग्राम में जन्मे। वर्धमान से महावीर बनने की उनकी यात्रा आत्मसंयम, तप और ज्ञान की चरम परिणति का प्रतीक है। बारह वर्षों की कठोर साधना के पश्चात उन्होंने केवलज्ञान प्राप्त किया और मानवता को अहिंसा, सत्य एवं अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का अमूल्य उपहार प्रदान किया।

शुद्ध भावों का अनुभव ही अहिंसा है : महावीर स्वामी की मूल शिक्षा अहिंसा है। सुप्रसिद्ध जैनाचार्य आचार्य अमृतचंद्र ने हिंसा और अहिंसा के विवेक को सूत्ररूप में अत्यंत सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया है—

अप्रादुर्भाव: खलु रागादीनां भवत्यहिंसेति।
तेषामेवोत्पत्तिर्हिंसेति जिनागमस्य संक्षेप: ॥

अर्थात् रागादि विकारों का अभाव अहिंसा है और उनका उदय ही हिंसा है—यही जिनागम का सार है।

जैन सिद्धांत में कहा गया है—प्रमत्तयोगात् प्राणव्यपरोपणं हिंसा

अर्थात् प्रमादयुक्त प्रवृत्ति से प्राणों का हरण करना ही हिंसा है। यहाँ 'प्रमत्तयोग' शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो यह स्पष्ट करता है कि असंयम ही हिंसा का मूल कारण है।

अहिंसा का व्यापक स्वरूप : अहिंसा का सामान्य अर्थ केवल हत्या न करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ है—किसी भी प्राणी को तन, मन, वचन और कर्म से किसी प्रकार की पीड़ा न पहुँचाना। भगवान महावीर के चिंतन में अहिंसा एक सजीव चेतना है, जो करुणा, संवेदना और सह-अस्तित्व की भावना को जन्म देती है। मनुष्य के भीतर उत्पन्न क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या जैसे सूक्ष्म भाव ही हिंसा के वास्तविक स्रोत हैं। ये भाव अदृश्य होते हुए भी अत्यंत प्रभावशाली होते हैं और धीरे-धीरे वाणी तथा कर्म के माध्यम से व्यापक हिंसा का रूप ले लेते हैं। इसीलिए भगवान महावीर ने अहिंसा की स्थापना मन के स्तर से प्रारंभ करने पर बल दिया।

वाचिक संयम और आधुनिक संदर्भ : आज के डिजिटल युग में वाणी की अहिंसा अत्यंत आवश्यक हो गई है। शब्दों की तीक्ष्णता तलवार से भी अधिक घातक हो सकती है। सोशल मीडिया पर फैलती कटुता और घृणा इस बात का प्रमाण है कि वाचिक हिंसा समाज को किस प्रकार विभाजित कर रही है। जब तक मन और वाणी संयमित नहीं होंगे, तब तक कर्मों में अहिंसा संभव नहीं है।

महावीर की अहिंसा: शूरवीरों की अहिंसा- भगवान महावीर की अहिंसा शूरवीरों की अहिंसा है, कायरों की नहीं। अहिंसा का पालन करने के लिए अभय और आत्मसंयम आवश्यक है। उन्होंने जो अहिंसा का सिद्धांत प्रस्तुत किया, वह निर्बलता नहीं, बल्कि आंतरिक शक्ति का प्रतीक है। यह मनुष्य को स्वयं पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

प्राणी मात्र के प्रति तादात्म्य : महावीर के अनुसार सच्चा अहिंसक वही है, जो समस्त जीवों के साथ तादात्म्य स्थापित करता है और सभी को अपने

समान समझता है। उनकी दृष्टि में केवल जीव-हत्या ही हिंसा नहीं है, बल्कि किसी के प्रति बुरा विचार रखना भी हिंसा है।

आत्मन: प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्—यह सिद्धांत अहिंसा का व्यवहारिक रूप है।

अनेकांतवाद: वैचारिक अहिंसा का मार्ग : अनेकांतवाद महावीर के अहिंसा-सिद्धांत का बौद्धिक विस्तार है। यह हमें सिखाता है कि सत्य बहुआयामी है। जब हम दूसरे के विचार को स्वीकारते हैं, तभी वैचारिक हिंसा समाप्त होती है। वर्तमान विश्व में बढ़ते वैचारिक संघर्षों का समाधान इसी दृष्टि में निहित है।

अहिंसा और वर्तमान युद्ध : आज के युद्ध केवल सीमाओं के संघर्ष नहीं, बल्कि विचारों और अहंकार के टकराव हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़राइल-गाज़ा संघर्ष तथा इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव मानवता के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। इन संघर्षों में सबसे अधिक पीड़ा निर्दोष नागरिकों को सहनी पड़ती है। तीर्थंकर महावीर का संदेश स्पष्ट करता है कि हिंसा किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती; यह केवल नए संघर्षों को जन्म देती है।

यदि राष्ट्र संवाद, सहिष्णुता और पारस्परिक सम्मान के साथ अहिंसा के मार्ग को अपनाएँ, तो विश्व शांति की दिशा में सार्थक प्रयास संभव हो सकते हैं।

अपरिग्रह: अहिंसा का व्यावहारिक आधार : अपरिग्रह का अर्थ है—आवश्यकता से अधिक संग्रह न करना। अधिक संग्रह ही संघर्ष और हिंसा का मूल कारण बनता है। संतोष और संयम का जीवन ही अहिंसा को संभव बनाता है।

अहिंसा: व्यक्तिगत साधना से वैश्विक समाधान तक : अहिंसा का आरंभ व्यक्ति के भीतर से होता है। जब व्यक्ति अपने विचारों को शुद्ध करता है, तो उसका प्रभाव परिवार, समाज और राष्ट्र तक पहुँचता है। महावीर के प्रत्येक उपदेश में अहिंसा का भाव निहित है। यदि मानसिक हिंसा समाप्त हो जाए, तो बाह्य हिंसा स्वत: समाप्त हो सकती है।

आत्मविजय ही परम विजय : भगवान महावीर ने कोई युद्ध नहीं किया, फिर भी वे महावीर कहलाए, क्योंकि उन्होंने स्वयं को जीता।जो सहस्रों को युद्ध में जीतता है, वह सच्चा विजेता नहीं; जो स्वयं को जीत लेता है, वही परम विजेता है।

यद्यपि युद्ध कियो नहीं, नाहि रखे असि-तीर : परम अहिंसक आचरण, तदपि बने महावीर।

भगवान महावीर का सिद्धांत परस्परोपग्रहो जीवानाम् यह उद्घोष करता है कि समस्त जीवन परस्पर जुड़ा हुआ है। भगवान महावीर की 2625वीं जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक चेतना का आह्वान है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। आज जब विश्व हिंसा के अंधकार में भटक रहा है, तब भगवान महावीर का अहिंसा-संदेश एक प्रकाश-स्तंभ की भाँति मार्गदर्शन कर रहा है। अहिंसा ही वह शक्ति है, जो मानव को मानव बनाती है और विश्व को एक परिवार में परिवर्तित कर सकती है।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं । भगवान महावीर का 2552 वाँ निर्वाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है। विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कब्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया। भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के

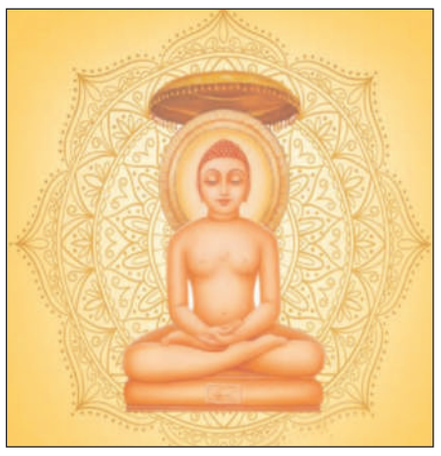

प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल ? रहे भयाभय युद्,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा। दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निर्वाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

वर्तमान को वर्द्धमान महावीर की आवश्यकता है

-विजय कुमार जैन

भगवान महावीर का नाम लेते ही जैनधर्म की स्मृति मन मस्तिक में ताजा हो जाती है। वर्तमान समय में सारा विश्व जैनधर्म के अस्तित्व को भगवान महावीर से स्वीकार करता है। जबकि वास्तविकता यह है कि भगवान महावीर जैनधर्म के 24वें तीर्थंकर हैं, भगवान महावीर से पूर्व 23 तीर्थंकर और हो चुके हैं। आज भगवान महावीर के संदेशों की अत्यधिक आवश्यकता है। यदि सारा विश्व जीओ और जीने दो के मार्ग पर चले तो सारे विश्व में शांति की स्थापना की जा सकती है। अहिंसा परमो धर्म: सुनने में आज पुराना लगता है लेकिन इस पंक्ति का अर्थ बहुत गहरा और तात्विक है। अभी कुछ समय पूर्व वर्तमान प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी फेसबुक के ऑफिस में लंदन गये थे, तो उनसे वहां के अधिकारियों ने बोर्ड पर एक मैसेज लिखने को कहा, उन्होंने मैसेज में अहिंसा परमोधर्म ही लिखाा। महात्मा गांधी जैसे महापुरुष ने इसका मनन और चिंतन किया और अपने जीवन में उतारा, जिससे देश में आजादी की स्थापना की गयी। आइये जाने भगवान महावीर के बारे में-

प्राचीन मान्यतानुसार भगवान महावीर का गर्भ एवं जन्मकल्याणक-

जैन मान्यतानुसार भगवान की जीवन चरित्र को पांच कल्याणकों में विभक्त किया है-गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान एवं मोक्षकल्याणक। सर्वप्रथम भगवान गर्भ में आते हैं। भरतक्षेत्र के विदेह नामक देश संबंधी कुण्डलपुर नगर के राजा सिद्धार्थ के आंगन में प्रतिदिन साढ़े सात करोड़ रत्नों की धारा होने लगी। आषाढ़ शुक्ला षष्ठी के दिन उत्तराषाढ़ नक्षत्र में राजा सिद्धार्थ की महारानी प्रियकारिणी (त्रिशला) ने सात खण्ड के नंद्यावर्त महल में पिछली रात्रि के अंतिम प्रहर में सुंदर-सुंदर सोलह स्वप्न देखें, जिससे उसके मन में प्रसन्नता हुई। सोलह स्वप्नों के पश्चात् देखा कि मुख में हाथी प्रवेश कर रहा है, जिसका अर्थ महारानी त्रिशला प्रात: उठकर अपने प्राणप्रिय महाराज से पूछती हैं और महाराजा बताते हैं कि महारानी इन स्वप्नों को देखने से इस युग के महापुरुष व तीनों लोकों में जगत पूज्य पुत्र को जन्म दोगी एवं वह बालक का जीव तुम्हारे गर्भ में प्रवेश कर चुका है। तत्काल जम्बूद्वीप के मध्यलोक से देवियां महारानी की सेवा को आती हैं और निरंतर 9 महीने तक आंठों देवियां श्री, ह्रीं, धृति, कीर्ति, बुद्धि, लक्ष्मी, शांति, पुष्टि माता की सेवा में तत्पर रहती है। महारानी त्रिशला खूब प्रसन्नमना आंदित होती हैं एवं देवियों के नाना प्रकार के गूढ़ (कठिन) प्रश्नों के उत्तर देती हैं। धीरे-धीरे वह दिन भी आ जाता है, जिसका तीनों लोकों में प्राणी मात्र को इंतजार था। तीर्थंकर बालक के जन्म के विषय में आगम में लिखा है-

जनम चैत्र सित तेरस के दिन कुण्डलपुर कन वरना।

सुर गिरि, सुर गुरु पूज, रचायो मै पूजो भव हरना।।

नव माह पूर्ण हो जाते हैं चैत्र शुक्ला त्रयोदशी के दिन आर्यमा नाम के शुभ योग में माता त्रिशला ने पूर्व दिशा के सदृश अच्युतेन्द्र जीव बालक को सूर्यरूप में जन्म दिया। उस समय तीनों लोकों में बाजे बिना बजाये बज उठते हैं। सौधर्म इन्द्र का आसन कम्पायमान हो जाता है एवं नरकों में भी क्षणभर को शांति हो जाती है। कल्पवृक्षों से पुष्प बरसने लगते हैं। सभी स्थानों पर आनंदमयी वातावरण हो जाता है। भगवान के जन्मकल्याणक मनाने हेतु स्वर्ग से सौधर्म इन्द्र कुण्डलपुर नगरी आ जाता है। पिता की आज्ञा से नवजात तीर्थंकर शिशु को सुमेरु पर्वत पर ले जाकर पांडुक शिला पर 1008 कलशों से महाभिषेक करता है एवं स्वर्गों से लाये हुए सुंदर वस्त्राभूषण से प्रभू को सुसज्जित करता है। भगवान की अनेकों प्रकार से स्तुति करता हुआ 'वीर' और 'वर्द्धमान' नाम रखता है। असंख्यात देव-देवियां प्रभु का जन्मकल्याणक मनाने स्वर्गों से आते हैं। एक बार संजय और विजय नामक दो महामुनियों को किसी पदार्थ में संदेह हुआ और वे भगवान महावीर के समीप दर्शन करने पहुंचे। भगवान के दर्शन मात्र से उनका संदेह दूर हो गया। खूब भक्तिपूर्वक उन्होंने बालक को 'सन्मति' नाम प्रदान किया। किसी समय स्वर्ग में वीर प्रभु के गुणों की चर्चा इन्द्र सभा में हो रही थी। एक संगम नामक देव ने भगवान की परीक्षा लेने की सोची। भगवान अनेक राजकुमारों के साथ बालक्रीड़ा कर रहे थे, तब वह देव भयंकर सर्प बनकर वृक्ष से लिपट गया। सभी बालक भयभीत हो गये, लेकिन महावीर तीर्थंकर बालक सांप के फन पर चढ़कर खेलने लग गये। जैसे माता की गोद में बालक खेलते हैं। उस समय उस निर्भीकता के कारण भगवान का नाम संगम देव ने 'महावीर' रखा।

तपकल्याणक- धीरे-धीरे कुमार काल बीत गया यौवन में प्रवेश हुआ और माता-पिता बेटे को लेकर सुंदर स्वप्न सजाने लगे कि एक सुंदर सी बहु घर लेकर आयेंगे। घर में बहु के साथ-साथ खुशहाली आयेगी। लेकिन होनी को कुछ और मंजूर था। विवाह का प्रस्ताव युवराज ने ठुकरा दिया। माता-पिता के सपने बिखर गये। बहुत समझाया कि अपने महलों में क्या कमी है, किसी प्रकार की कमी हो, तो हमें बताओ, लेकिन युवराज महावीर नही माने। उन्होंने बालब्रह्मचारी व्रत अंगीकार किया। तत्क्षण ही भगवान को पूर्व भव का स्मरण हो गया और सोचने लगे संसार क्षणभंगुर है एक दिन सबको जाना है। वैराग्य भावना का चिंतन करते हुए मगसिर वदी दशमी के दिन प्रभु ने दीक्षा ग्रहण कर ली। सभी वस्त्राभूषण उतारकर फेंक दिया। दिगम्बर दीक्षा ग्रहण कर ली। नग्न हो गये और अपनी आत्मा में लीन होकर तप में खड़े हो गये। कुछ दिन पश्चात् प्रभु आहार के लिए निकले।

पारणा के दिन भगवान कूलग्राम में आये। ग्राम के राजा कूल ने भक्तिपूर्वक पड़गाहन किया एवं नवधा भक्तिपूर्वक भगवान महावीर को प्रथम आहार दिया। फलस्वरूप राजा कूल के घर पंचाश्चर्य (रत्नों) की वृष्टि हुई। पुन: भगवान महावीर वन जाकर ध्यान में लीन हो गये।

भगवान महावीर के उपसर्ग- भगवान महावीर पर उज्जयिनी के अतिमुक्त वन में उपसर्ग हुआ। लेकिन भगवान प्रतिमायोग में विराजमान थे। रुद्र अपनी दुष्ट विद्याओं से भगवान पर उपसर्ग कर रहा था एवं पाप कर्म को संचित कर रहा था। अंत में जब उपसर्ग करके हार गया, तब भगवान को 'महति महावीर' नाम से संबोधन किया। भगवान ने सती चंदना के उपसर्ग का निवारण किया। सती चंदना बेड़ियों में जकड़ी थी। भगवान महावीर को देखते ही बेड़ियां टूट गई व सती चंदना ने भगवान का पड़गाहन करके नवधाभक्तिपूर्वक आहार दिया। पुन: चंदना ने भी आगे चलकर दीक्षा ग्रहण कर ली।

केवलज्ञानकल्याणक- भगवान महावीर ने बारह वर्ष तक तप किया। बिहार के जृंभिका ग्राम के समीप ऋजुकूला नदी के तट पर भगवान मनोहर नाम के वन में रत्नमयी एक बड़ी शिला पर शाल वृक्ष के नीचे बेला का नियम लेकर प्रतिमायोग से विराजमान हुए। वैशाख शुक्ला दशमी के दिन भगवान को केवलज्ञान प्राप्त हो गया। आत्मा ने परमात्मा का रूप ले लिया। स्वर्ग से सौधर्म इन्द्र व धनकुबेर एवं अन्य इन्द्रों ने भगवान महावीर के केवलज्ञान कल्याणक की पूजा की। धनकुबेर ने भगवान के लिए समवसरण की रचना की। जिसमें तीनों लोकों की निधियाँ लगाकर समवसरण का निर्माण किया। सुंदर सभा का नाम समवसरण है एवं सभी प्राणी मात्र को जहां समान रूप से सरण प्राप्त हो वह स्थान समवसरण है। भगवान की दिव्यध्वनि राजगृही के विपुलाचल पर्वत पर खिरी, जो आज भी प्रथम देशना स्मारक के नाम से प्रथम पहाड़ पर स्थित है।

रायपुर में भगवान महावीर की 2624वीं जयंती का उल्लास

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में हुआ भव्य अभिषेक और शांतिधारा, कल निकलेगी भव्य शोभायात्रा

जियो और जीने दो के जयकारों से गूंजेगी राजधानी

रायपुर (विश्व परिवार)। 30 मार्च 2026 राजधानी रायपुर के मालवीय रोड स्थित ऐतिहासिक श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में आज 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2624वीं जयंती के उपलक्ष्य में भक्तिमय अनुष्ठानों का भव्य आयोजन किया गया। माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी तिथि के पावन अवसर पर मंदिर जी में सुबह से ही श्रद्धालुओं का भारी उत्साह देखने को मिला। मंदिर जी के पूर्व सचिव श्रेयश जैन बालू ने बताया कि प्रात: काल की पावन बेला में मंत्रोचार के बीच भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का रजत कलशों से प्रासूक जल द्वारा

भव्य अभिषेक किया गया। इसके उपरांत विश्व शांति और जनकल्याण की भावना के साथ शांतिधारा संपन्न की गई। पूरा मंदिर परिसर महावीर स्वामी के जयकारों और पवित्र मंत्रों से गुंजायमान रहा। शांतिधारा के पश्चात श्रद्धालुओं ने भगवान की मंगल आरती उतारी और विधि-विधान से अष्ट द्रव्यों द्वारा देव-शास्त्र-गुरु एवं भगवान महावीर स्वामी का विशेष पूजन कर अर्घ्य समर्पित किए। आज के इस धार्मिक महोत्सव में रायपुर के प्रासंगिक है। जयंती के मुख्य दिवस कल, 31 मार्च को भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समिति (सकल जैन समाज) द्वारा श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) से भगवान की भव्य नगर भ्रमण शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के श्री जिनकुशल जैन दादाबाड़ी पहुँचने पर वहां भगवान महावीर का विशेष अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन का कार्यक्रम संपन्न होगा। श्री बालू ने समस्त जैन समाज के पुरुष, महिलाएं एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया।

पूर्व सचिव श्री श्रेयश जैन बालू ने बताया कि भगवान महावीर का संदेश जियो और जीने दो आज के समय में अत्यंत

भगवान महावीर स्वामी का 2625वां जन्म कल्याणक महोत्सव संपन्न

जांजगीर-नैला (विश्व परिवार। भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर नैला में आज भगवान महावीर स्वामी का 2625 वां जन्म कल्याणक महोत्सव बहुत ही भक्ति मय संपंन हुआ। प्रात: 8:00 बजे मूलनायक भगवान महावीर स्वामी की अष्टधातु की प्रतिमा को नवीन पालकी में विराजमान कर बैंड बाजे के साथ नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा जैन मंदिर से स्टेशन चौक, अग्रसेन मार्ग होते हुए नेताजी सुभाष चौक जांजगीर पहुंची।

शोभायात्रा का सभी सदस्यों के द्वारा अपने घरों के सामने आरती कर श्री फल चढ़ाया गया। शोभायात्रा की पालकी वापस जैन मंदिर पहुंचने के पश्चात भगवान महावीर स्वामी को पांडुक शिला में विराजमान कर अभिषेक शांति धारा पूजन संपन्न कराई गई। आज के प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य श्री

डॉक्टर पीसी जैन, श्री विकास पाटनी एवं श्री यंत्र कुमार जी धीरज कुमार जी रवि अजमेरा परिवार को प्राप्त हुआ। शांति धारा करने का सौभाग्य श्री रमेश कुमार जी सुमित कुमार जी सुरेश कुमार जी गोधा परिवार बम्हनीडीह को मिला। भगवान महावीर स्वामी की आरती करने का सौभाग्य श्रीमती लक्ष्मी जैन, भगवान महावीर स्वामी के पालना झूलाने का सौभाग्य श्री दिनेश जैन परिवार ने प्राप्त किया। कार्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात मारवाड़ी धर्मशाला नैला में वात्सल्य भोज संपन्न हुआ। भगवान महावीर स्वामी के 2625 में जन्मकल्याणक महोत्सव में जैन समाज के द्वारा टेंट लगाकर फल वितरण एवं सेव बूंदी का वितरण किया गया । गौशाला में गौ माता को गुड़ खिलाकर प्रभावना की गई। जबलपुर से आए संगीतकार के द्वारा रात्रि में भगवान महावीर स्वामी की संगीत मय आरती ,48 दीपक प्रज्वलित कर भक्तामर पाठ की आराधना की गई, णमोकार चालीसा एवं भजन संध्या का आयोजन जैन मंदिर के प्रवचन हाल में किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चंदखुरी में माता कौशल्या एवं भगवान श्रीराम के किए दर्शन- प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज चंदखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर पहुंचकर माता कौशल्या एवं भगवान श्रीराम के दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 30 हजार करोड़ से अधिक मूल माल राजस्व अर्जन कर स्थापित की नई उपलब्धि

- भारतीय रेल में सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू प्राप्त करने वाला अग्रणी जोन

बिलासपुर(विश्व परिवार)। देश की ऊर्जा एवं औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ आधार प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 30,000 करोड़ से अधिक का ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू अर्जित किया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 28 मार्च 2026 को मात्र 362 दिनों में प्राप्त की गई, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पहली बार 30,000 करोड़ का आंकड़ा पार करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। 29 मार्च 2026 तक यह राजस्व बढ़कर 30,123.26 करोड़ तक पहुँच गया है, जो इसकी निरंतर प्रगति और सुदृढ़ प्रदर्शन को दर्शाता है।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भारतीय रेल के कुल माल राजस्व में लगभग 17.11 प्रतिशत का योगदान दिया है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1015 करोड़ की अतिरिक्त आय अर्जित की गई है, जो लगभग 3.5 प्रतिशत की वृद्धि को इंगित करता है। यह उपलब्धि रेलवे के कुशल प्रबंधन, प्रभावी कार्ययोजना और सतत निगरानी का परिणाम है।

अन्य प्रमुख जोनों के साथ तुलना करने पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रदर्शन और भी अधिक प्रभावशाली प्रतीत होता है। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, इस अवधि में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने लगभग 30,123 करोड़ का राजस्व अर्जित कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जबकि पूर्व तटीय रेलवे (ईस्ट कोस्ट रेलवे) ने लगभग 28,967 करोड़, पूर्व मध्य रेलवे (ईस्ट सेंट्रल रेलवे) ने लगभग 24,311 करोड़ तथा दक्षिण पूर्व रेलवे (साउथ ईस्ट रेलवे) ने लगभग 17,794 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है। यह तुलनात्मक उपलब्धि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्ट कार्यक्षमता एवं प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को दर्शाती है। पिछले वर्षों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालने पर स्पष्ट होता है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने निरंतर प्रगति की है।

महापौर मीनल सहित पार्षदों ने दी महावीर जयंती की बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, नगर पालिक निगम सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर सहित समस्त एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षगणों, वार्ड पार्षदों ने जैन धर्मावलंबियों सहित समस्त नगरवासियों को महावीर जयन्ती पर्व दिनांक 31 मार्च 2026 के पावन अवसर पर अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुये समस्त नगरवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और शान्ति प्रदान करने राजधानी शहर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य

क्षेत्र में समृद्धि और खुशहाली लाने कार्य करने सकारात्मक प्रेरणा प्रदान करने हेतु विनम्र सामूहिक प्रार्थना भगवान महावीर स्वामी के दिव्य श्रीचरणों में की है. भगवान महावीर स्वामी को सम्पूर्ण मानवता द्वारा दिया गया अहिंसा का पवित्र उपदेश सर्वकालीन प्रासंगिक और लोककल्याणकारी है.

बीरगांव नगर निगम में 158 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पास

रायपुर (विश्व परिवार)। बीरगांव नगर निगम के सामान्य सभा बैठक में आज राशन कार्ड और अधिकार पत्र (पटटा) के मुद्दा को लेकर जमकर हंगामा हुआ इस मुद्दे को लेकर पक्ष विपक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करते हुए नजर आए वही हंगामा के बीच महापौर नंदलाल देवांगन द्वारा आज निगम का वार्षिक बजट पेश किया गया महापौर द्वारा 158 करोड़ 19 लाख 47 हजार का निगम का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया गया है महापौर द्वारा 10 लाख 89 हजार का लाभ बजट प्रस्तुत किया गया है जिसे सर्वसम्मति से फास कर दिया गया,

इस दौरान महापौर ने जल आवर्धन योजना के लिए 7

करोड़, निकाय क्षेत्र में दो नई पानी टंकी निर्माण करने के लिए 20 करोड़,स्वच्छता भारत मिशन 2.0 के लिए 6 करोड़, मुख्यमंत्री नगरोंत्थान योजना के लिए 43 करोड़,मुख्यमंत्री अधो संरचना विकास योजना के लिए 2 करोड़, राज्य परिवर्तित मद अंतर्गत मुक्तिधाम सुंदर्यकरण के लिए एक करोड़, विभिन्न वार्डों के लिए रोड नाली के लिए 11 करोड़, अटल पेंशन के लिए एक करोड़ 15 लाख और बंजारी मंदिर के सामने, व्यास तालाब और वीनू पेट्रोल पंप के पास ओवरब्रिज निर्माण करने के लिए 9 करोड रुपए प्रस्तावित किया गया है इसके अलावा महापौर द्वारा निगम क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन और स्वच्छता दीदी को 1500से 2000 प्रोत्साहन राशि देने का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने को कहा है सामान्य सभा करीबन 3 घंटे तक हंगामा के दौरान पार्षदों ने एक दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की बीरगांव नगर निगम की सामान्य सभा आज करीबन 12:00 बजे प्रारंभ किया गया सामान्य सभा के शुरू होते ही प्रश्न काल में प्रश्न को शामिल नहीं करने पर पार्षद एवज देवांगन ने आपत्ति जताई वहीं निगम सचिव के कार्यशैली को लेकर सवाल उठाएं हंगामा को देखते हुए सभापति कृपाराम निषाद ने एक आधे घंटे के लिए सभा सभा की कार्यवाही स्थगित कर दिया था।

डोंगरगढ़ में भगवान महावीर का जन्मोत्सव धूम- धाम से मनाया गया

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। श्री दिगम्बर जैन समाज डोंगरगढ़ के तत्वाधान में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव बहुत हर्षोलास के साथ धूम ङ्क धाम से मनाया गया 7 तीन दिन पूर्व से ही प्रात: 6 बजे से प्रतिदिन भक्तों द्वारा भगवान का भजन किर्तन करते हुए प्रभात फेरी निकाली गयी। दिनांक 30 मार्च 2026 दिन सोमवार को प्रात: 7 बजे भगवान का अभिषेक, पूजन एवं मंगल आरती हुई तत्पश्चात प्रात: 9 बजे भगवान महावीर स्वामी जी की भव्य शोभा यात्रा गाजे ङ्क बाजे के साथ छत्तीसगढ़ गौरव निखिल जैन के मधुर भजनों के साथ सभी भक्त नृत्य करते हुए श्री दिगम्बर जैन मंदिर से निकले

एवं बुधवारी, रेलवे चौक, जय स्तम्भ चौक, गोल बाजार होते हुए वापस श्री दिगम्बर जैन मंदिर पहुचे 7 इस दौरान जगह ङ्क जगह भगवान की अगवानी के लिए उनके भक्तों द्वारा रंगोली, आरती एवं श्रीफल चढ़ाकर उनका वंदन किया। शोभा यात्रा के बाद मंदिर जी मे भगवान का पुन: अभिषेक, पूजन एवं मंगल आरती कि गयी तत्पश्चात समाज का सामूहिक भोज जैन भवन बूटी बड़ा में संपन्न हुआ। इस उपलक्ष्य में शोभा बैग हाउस, हैप्पी कलेक्शन एवं सिंघई बुक डिपो द्वारा अपने प्रतिष्ठान के सामने आम जनों को भंडारा, छाज एवं शरबत वितरण किया गया एवं जाग्रति महिला मंडल के द्वारा वृद्धाश्रम एवं अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किया गया 7 इस मांगलिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष श्री अनिल जैन, कोषाध्यक्ष श्री जय कुमार जैन एवं सचिव श्री सुरेश चन्द जैन ने सम्पूर्ण समाज को धन्यवाद ज्ञापित किया 7जहाँ एक ओर भगवान महावीर स्वामी जिन्होने सम्पूर्ण विश्व को अहिंसा का सन्देश दिया, जियो और जीने दो नारा दिया उनकी शोभा यात्रा बुधवारी से रेलवे चौक जाने वाले मुख्य मार्ग से निकल रही थी वही पर सम्पूर्ण मटन मार्केट एवं चिकन आदि विक्रेताओं की दुकाने पूर्णत: बंद थी।

महावीर जयंती पर जन्मकल्याणक महोत्सव में कार्यक्रमों की धूम, ऐरावत हाथी पर भव्य शोभायात्रा

औरंगाबाद। कचनैर के पास श्रीक्षेत्र धर्मतीर्थ में श्री वृषभ सिद्ध जिन बिंब की 51 फीट ऊँची विशाल प्रतिमा के पंचकल्याणक प्रतिष्ठापना एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अंतर्गत सोमवार (दि. 30) को भगवान ऋषभनाथ का जन्मकल्याणक मनाया गया। सौधर्म इंद्र श्री भूषण एवं श्रीमती प्रिया पाटणी की ऐरावत हाथी पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पांडुक शिला पर जाकर बाल तीर्थंकर ऋषभदेव का अभिषेक किया गया। साथ ही महावीर जयंती के जन्मकल्याणक विधि भी संपन्न हुए। गणाधिपति गणधराचार्य का प्रवचन हुआ। भगवान का अभिषेक एवं विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भरमार रही। सुबह से रात तक लगातार कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

ऐरावत हाथी पर निकली भव्य

शोभायात्रा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। श्रद्धालुओं ने परम पूज्य जगद्गुरु गणाधिपति, गणधराचार्य श्री कुंथुसागरजी गुरुदेव एवं क्रांतिकारी राष्ट्रसंत दिगंबर जैनाचार्य श्री गुप्तीनंदीजी गुरुदेव के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए। महोत्सव का यह तीसरा दिन था। सभी श्रद्धालुओं का स्वागत महोत्सव समिति के अध्यक्ष श्री संजय पापड़ीवाल और कार्याध्यक्ष श्री चंद्रशेखर पाटणी ने किया। महामंत्री पवनकुमार पापड़ीवाल, गौरवाध्यक्ष जितेंद्र पापलकर, स्वागताध्यक्ष जिनेंद्र बाकलीवाल, प्रमोद जैन, महावीर पाटणी, कोषाध्यक्ष राजेंद्र पाटणी, मार्गदर्शक गुलाबचंद कासलीवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस महोत्सव में आचार्य श्री तीर्थनंदीजी, प्रज्ञाश्रमण गणनायक आचार्य श्री सुयशगुप्तजी, आचार्य श्री श्रुतधरनंदीजी एवं गणिनी आर्यिका क्षमाश्री माताजी की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने मार्गदर्शन भी दिया। सभी श्रद्धालुओं ने स्वादिष्ट भोजन प्रसाद ग्रहण किया। जन्मकल्याणक विधियों की शुरुआत सुबह 5.30 बजे उत्साहपूर्वक हुई।

सौधर्म इंद्र एवं अन्य मान्यवरों की ऐरावत हाथी पर शोभायात्रा निकाली गई। बैंड की धुन पर श्रद्धालुओं ने नृत्य का आनंद लिया। इसके बाद आचार्य संघ का मंगल प्रवचन एवं राज्याभिषेक समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।1008 कलशों से अभिषेक किया गया। दोपहर में गणधराचार्य का मंगल पूजन एवं प्रवचन हुआ। रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिनेंद्र एवं श्रीमती हीरामणी बाकलीवाल परिवार (पुणे) ने 51 फीट मूर्ति की वेदी का निर्माण कराया, जिसकी पूजा उनके हाथों से की गई। भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य श्री राजेश एवं श्रीमती राखी जैन (ब्यावर, पुणे) को मिला। धर्मतीर्थ में विराजमान साधु-संतों को आहारदान देने का सौभाग्य श्री जितेंद्र बाकलीवाल परिवार (पुणे) को प्राप्त हुआ।

इस महोत्सव में इंद्र-इंद्राणी की भूमिकाओं में कई श्रद्धालुओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्री हेमंत एवं श्रीमती विद्या जैन, श्री संदीप एवं श्रीमती मनीषा पाटणी, श्री अशोक एवं श्रीमती शशिकला ठोळे, श्री माणिकचंद एवं श्रीमती वैशाली गंगवाल, श्री प्रवीण एवं श्रीमती सविता साहूजी, श्री मनोज एवं श्रीमती मंजुषा पांडे, श्री संजय एवं श्रीमती सीमा खबडे ने इन भूमिकाओं का निर्वहन किया। भोजनदाता श्री सुबोध जैन परिवार ने भी अपनी सेवा अर्पित की। देशभर के अनेक दिगंबर जैन परिवारों ने तन, मन और धन से योगदान दिया।

महावीर स्वामी जैनों के नहीं जन-जन के भगवान थे - विविक्त श्री माताजी

तालबेहट(ललितपुर)। सिद्ध क्षेत्र पावागिरि सहित नगर के दोनों जैन मंदिर में वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महा महोत्सव की 2625 वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनायी गयी। जिसमें सुबह भगवान महावीर स्वामी के पालना झूला के बाद अभिषेक शांतिधारा एवं पूजन विधान का आयोजन किया गया। वहीं नगर के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में बुंदेलखंड के प्रथम गणाचार्य विराग सागर महाराज की परम् प्रभावी शिष्या भारत गौरव आर्यिका विविक्त श्री माताजी, विप्रा श्री माता जी, वियोजना श्री माता जी, क्षुल्लिका विशुद्रण श्री माताजी के ससंघ मंगलमय सानिध्य में महावीर जयंती के अवसर पर विमानोत्सव कार्यक्रम में श्री जी की भव्य

शोभा यात्रा एवं पाठशाला के बच्चों द्वारा सुन्दर झांकी निकाली गयी। जिसमें तैलीय चित्र की झांकी, विमान में श्री जी को लेकर प्रमुख पात्र, बग्गी में धर्म ध्वजा लेकर श्रावक श्रेष्ठी,आर्यिका और क्षुल्लक की वेशभूषा में पाठशाला के बच्चे, बैंड बाजों की प्रस्तुति देती महिला मण्डल, डी जे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, मंगल गीत गाती हुई महिलाएं एवं सत्य-अहिंसा एवं जियो और जीने दो की नारे लगाते हुए पुरुष वर्ग चल रहा था। धर्मावलंबियों ने द्वार को रंगोली से सजाकर शोभायात्रा का स्वागत किया एवं श्री जी की मंगल आरती उतारी। यात्रा प्रमुख मार्गो से होती हुई वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर से वापस मंदिर जी आयी।

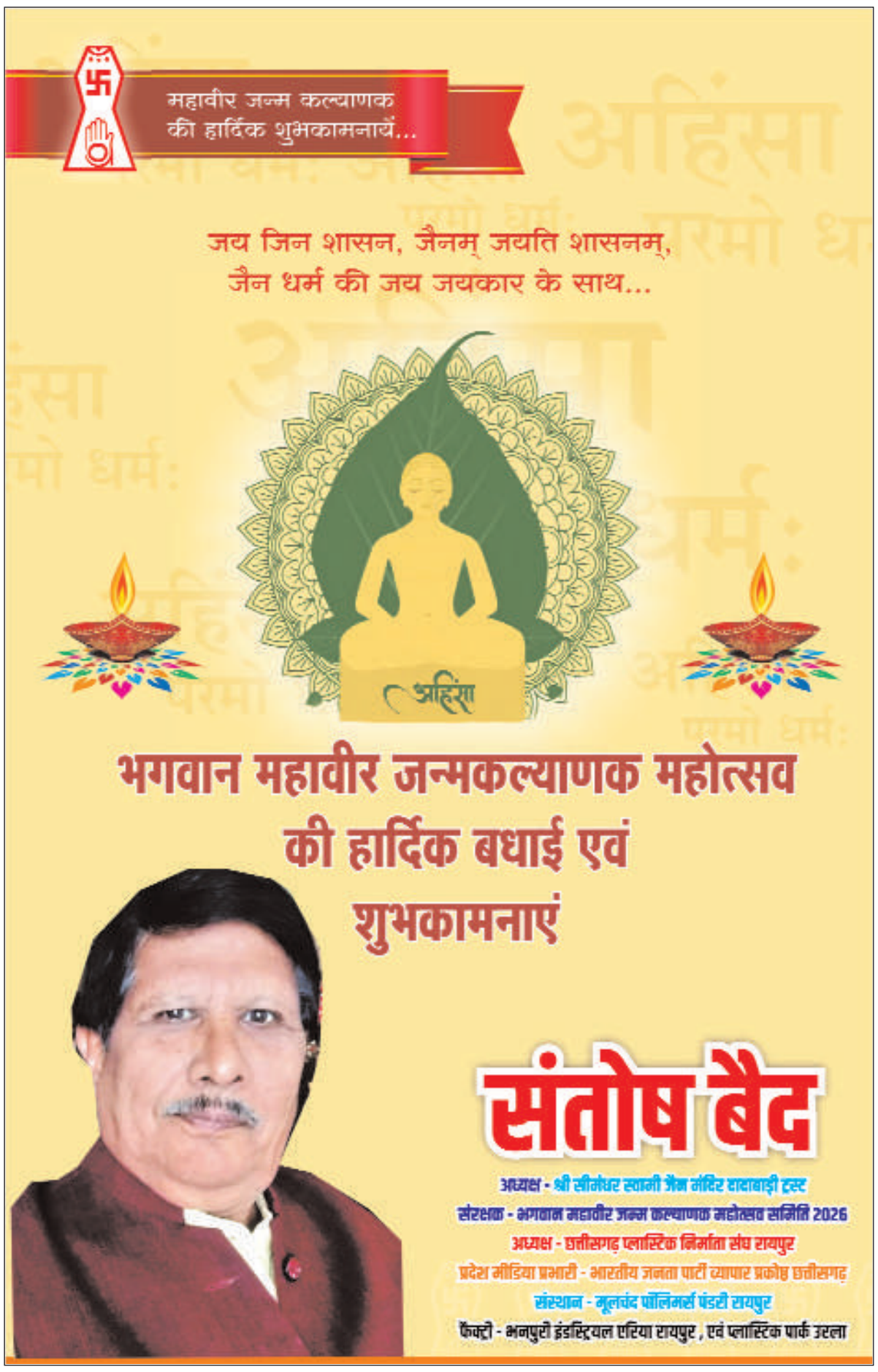

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)
इश्तिहार

रा0प्र0क्र0/
/ अ-6/वर्ष 2025-2026
रायपुर, दिनांक 30/03/2026
ग्राम तेलीबांधा प0ह0नं0 64

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका **श्रीमती शोभा दुबे पति श्री निर्मल कुमार दुबे निवासी बैकुंठ धाम कालोनी इंदौर म.प्र. (छ0ग0)** द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि **ग्राम तेलीबांधा प.ह.नं. 64 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर-83/2** का भाग रकबा वर्तमान में खसरा नंबर 83/4 का रकबा 13906.5 वर्गफुट भूमि **आवेदिका की माता स्व0 श्रीमती महालक्ष्मी तिवारी पति स्व0 जागेश्वर प्रसाद तिवारी** द्वारा धारित की जाती है। उपरोक्त भूमि का खाता विभाजन **क्रमशः 01. प्रथम पक्षकार डॉ सुषमा वर्मा पति डॉ. अनिल वर्मा निवासी रायपुर, 02 द्वितीय पक्षकार-श्रीमती स्नेह प्रभा अग्निहोत्री पति डॉ. गौरी शंकर अग्निहोत्री निवासी इंदौर म.प्र., 03.** तृतीय पक्षकार **श्रीमती सुमन दुबे पति श्री अरूण कुमार दुबे निवासी रायपुर,** 04. चतुर्थ पक्षकार श्रीमती शोभा दुबे पति श्री निर्मल कुमार दुबे निवासी इंदौर म.प्र. के मध्यम **दिनांक 04/10/2010** के माध्यम से खाता विभाजन कर बटवारानामा **दिनांक 11/10/2010** को पंजीकृत किया गया । प्रथत पक्षकार को सुषमा वर्मा को एक लाख रूपये नगद राशि प्राप्त कर लिया था, जिसकी अभिस्वीकृति प्रदान की गई है। द्वितीय पक्षकार श्रीमती स्नेह प्रभा अग्निहोत्री पति डॉ. गौरी शंकर अग्निहोत्री निवासी इंदौर म.प्र. को उक्त भू-खण्ड में से 5245.25 वर्गफुट भूमि प्राप्त हुआ है। तृतीय पक्षकार **श्रीमती सुमन दुबे को एक लाख** रूपये नगद राशि प्राप्त हुआ था, जिसकी अभिस्वीकृति प्रदान की गई है। चतुर्थ पक्षकार श्रीमती शोभा दुबे को उक्त भू-खण्ड में से 7117.25 वर्गफुट भूमि प्राप्त हुआ। पूर्व में द्वितीय पक्षकार श्रीमती स्नेह प्रभा अग्निहोत्री को बटवारानामा के आधार पर अपना नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज करा लिया था। उनकी मृत्यु पश्चात् वर्तमान में उनके पुत्र **शुभम अग्निहोत्री पिता गौरी शंकर अग्निहोत्री** के नाम पर खसरा **नंबर 83/35 रकबा 0.0487 हे. याने 5245 वर्गफुट भूमि दर्ज** है। आवेदिका बटवारानामा के अनुसार पक्षकार कमांक 04 ने अभी तक बटवारे से प्राप्त भूमि **रकबा 7117.25** वर्गफुट भूमि को राजस्व अभिलेखों में अपने नाम से दर्ज नहीं कराया गया है। अतएव आवेदिका उक्त भूमि खसरा **नंबर 83/4 में से रकबा 7117.25** वर्गफुट भूमि को अपने नाम से दर्ज करने हेतु निवेदन की है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 15/04/2026 को इस न्यायालय में पेश करें नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज **दिनांक 30/03/2026** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर छ.ग.

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)
इश्तिहार

ग्राम सेजबहार प0ह0नं0 82
रा0प्र0क्र0

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **आवेदक अजय कुमार श्रीवास्तव पिता स्व. शरद श्रीवास्तव निवासी मकान नं. 1/143, वार्ड नंबर 64 शिवाजी नगर रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ0ग0** द्वारा ग्राम **सेजबहार, प0ह0नं0 82 रा0नि0म0 कांदुल, तहसील व जिला रायपुर छ0ग0 रायपुर** स्थित **भूमि ख.नं. 15007/284 रकबा 863.72 वर्गफुट** अर्थात 0.0080 हे. भूमि को आई.सी. आई. बैंक लिमिटेड के द्वारा नीलामी से क्रय किया गया। जो श्रीमती नूतन सिदार पति श्री रतन सिंग सिदार के नाम दर्ज है। जिसे पंजीकृत विक्रय पत्र **दिनांक 17.09.2025** के माध्यम से क्रय किया है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि को पंजीकृत विकय विलेख पत्र **दिनांक 17.09.2025** के आधार पर श्रीमती नूतन सिदार पति श्री रतन सिंग सिदार का नाम विलोपित कर अपना नाम दर्ज / नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी **तारीख 02/04/2026** तक न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज **दिनांक 17/03/2026** को जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29722/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29722
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446N01073** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT LAND CHANDNI GILHARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANIL GILHARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAY KUMARI THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. CHANDRKANT THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा एवं शपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29728 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29728
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652N00378** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMIT KUMAR SINGHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMCHANDRA SINGHWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAKESH KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAKHAN LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29691/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29691
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446O00519** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURESH SAHARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM DAS SAHARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHEELA DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANIL KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./29860/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 29-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29860
वार्ड का नाम-30 -शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331F00056** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. SWAPNA BENARJI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE KISHORE KUMAR BENARJI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती तृष्णा गुप्ता** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति - श्री विनोद गुप्ता** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /29861/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29861
वार्ड का नाम- 08 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 08 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226I02196** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANJIT SARKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NALINI RANJAN SARKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AJAY SINGH RAJPUROHIT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHYAM SINGH RAJPUROHIT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /29582/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29582
वार्ड का नाम- 08 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 08 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226W00215** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAURABH DIWIVEDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SATISH CHANRA DIWIVEDI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GURUPREET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LET AMARJEET SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-09, तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)
//आम सूचना//

जारी दिनांक:- 18/03/2026.

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **ग्राम तेलीबांधा प0 ह0नं0-64,द रा0नि0मं0-09 तहसील व जिला रायपुर** (छ0ग0) स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्री/आवेदिका **श्रीमती शोभा दुबे पिता/पति निर्मल कुमार दुबे निवासी इन्दौर मध्यप्रदेश** द्वारा धारित **भूमि खसरा नंबर 83/14 रकबा 0.0510 हे. भूमि** के सीमांकन हेतु आवेदन माननीय न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के न्यायालयीन आदेश **दिनांक 18/02/2026** के परिपालन में आवेदित की भूमि के सीमांकन हेतु स्थल निरीक्षण मेरे द्वारा **दिनांक 6/4/2026** को 2:00 बजे पश्चात् किया जाना नियत है। अतएव उक्त: खसरा नंबर के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों, व्यक्ति, संस्था तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि आप नियत दिनांक के पूर्व पटवारी कार्यालय में अथवा ऊपर उल्लेखित दिनांक को आवेदित स्थल में अपनी भूमि के दस्तावेज सहित उपस्थित होवें और दस्तावेज के अनुरूप दावा-आपत्ति समक्ष प्रस्तुत करें। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

सो सूचना जानें।

मुहर

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-09 (तेलीबांधा)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-09, तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)
//आम सूचना//

जारी दिनांक:- 18/03/2026.

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **ग्राम तेलीबांधा प0 ह0नं0-64,द रा0नि0मं0-09 तहसील व जिला रायपुर** (छ0ग0) स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्री/आवेदिका श्रीमती **शुभम अग्निहोत्री पिता/पति गौरी शंकर अग्निहोत्री निवासी इन्दौर मध्यप्रदेश** द्वारा धारित **भूमि खसरा नंबर 83/35 रकबा 0.0487 हे. भूमि** के सीमांकन हेतु आवेदन माननीय न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के न्यायालयीन आदेश **दिनांक 18/02/2026** के परिपालन में आवेदित की भूमि के सीमांकन हेतु स्थल निरीक्षण मेरे द्वारा **दिनांक 6/4/2026** को 2:00 बजे पश्चात् किया जाना नियत है। अतएव उक्त: खसरा नंबर के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों, व्यक्ति, संस्था तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि आप नियत दिनांक के पूर्व पटवारी कार्यालय में अथवा ऊपर उल्लेखित दिनांक को आवेदित स्थल में अपनी भूमि के दस्तावेज सहित उपस्थित होवें और दस्तावेज के अनुरूप दावा-आपत्ति समक्ष प्रस्तुत करें। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

सो सूचना जानें।

मुहर

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-09 (तेलीबांधा)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-09, तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0)
//आम सूचना//

जारी दिनांक:- 18/03/2026.

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **ग्राम तेलीबांधा प0 ह0नं0-64, रा0नि0मं0-09 तहसील व जिला रायपुर** (छ0ग0) स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्री/आवेदिका श्रीमती **निर्मल कुमार दुबे पिता/पति प्रकाश नारायण दुबे निवासी** इन्दौर मध्यप्रदेश द्वारा धारित **भूमि खसरा नंबर 83/13 रकबा 0.0510 हे. भूमि** के सीमांकन हेतु आवेदन माननीय न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय नायब/अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के न्यायालयीन आदेश **दिनांक 18/02/2026** के परिपालन में आवेदित की भूमि के सीमांकन हेतु स्थल निरीक्षण मेरे द्वारा **दिनांक 6/4/2026** को 2:00 बजे पश्चात् किया जाना नियत है। अतएव उक्त: खसरा नंबर के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों, व्यक्ति, संस्था तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि आप नियत दिनांक के पूर्व पटवारी कार्यालय में अथवा ऊपर उल्लेखित दिनांक को आवेदित स्थल में अपनी भूमि के दस्तावेज सहित उपस्थित होवें और दस्तावेज के अनुरूप दावा-आपत्ति समक्ष प्रस्तुत करें। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

सो सूचना जानें।

मुहर

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-09 (तेलीबांधा)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./29854/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29854
वार्ड का नाम-41- पं. सुन्दरलाल शर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 41 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR566C00120** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHARAD BAGHEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BUDH DEV BAGHEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TANUSHREE PANDEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RUPESH PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./29889/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29889
वार्ड का नाम- 67- भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567J00079** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MUKUND DAS VAISHNAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUKHRAM DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANURADHA GANGULY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LILESHWAR PRASAD GANGULY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./29902/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 30-03-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 29902
वार्ड का नाम- 67- भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567F00730** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PREM GUPTA BUILDCON PRO. PREM NARAYAN GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DWARIKA PRASAD GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HEMLATA TANDAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BRIJLAL TANDAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

णमो अरिहंताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोए सव्वसाहूणं
एसो पंच णमोक्कारो सव्व पावप्पणासणो
मंगलाणं च सव्वेसिं
पढमं हवई मंगलं
श्री देव विमान धर्मनाथ जिनालय
जैनम मानस समिति रायपुर

NAVKAR JEWELLERS
From Creation to Celebration
हर उत्सव की उमंग
नवकार के संग
Malviya Rd. | +91 62625 55200

NAWLAKHA COMPUTER
HP WORLD
TRUSTED FOR 20+ YEARS
REGISTERED GEM SUPPLIER
WE DEAL IN ALL MAJOR BRANDS:
hp Lenovo CP PLUS EPSON Canon
FAST & RELIABLE LAPTOP SERVICES
Same-Day Laptop Repair
Genuine Parts Only
Software & Hardware Solutions
Laptop Upgrade - SSD, RAM, OS & Much More
VISIT US AT:
NAWLAKHA COMPUTERS
Near Dr. Rajesh Trivedi,Near City kotwali,
Chotapara, Raipur (C.G.) 492001
SALES NO. : 9300781008 9300041008
SERVICE NO. : 76940 95008
LANDLINE NO. : 0771-4095008

जो स्वयं को जीते, वही महावीर : मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज

रांची। भगवान महावीर जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर आयोजित धर्मसभा में गुणायतन प्रणेता मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने गहन आध्यात्मिक संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक महावीर विद्यमान है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और जागृत करने की है। मुनि श्री ने स्पष्ट किया कि जो दूसरों को जीतता है वह केवल वीर कहलाता है, लेकिन जो स्वयं की दुर्बलताओं, दुर्गुणों और आंतरिक शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर ले, वही सच्चा महावीर है। उन्होंने कहा कि आत्मविजेता ही अरिहंत बनते हैं, जो अपने भीतर के विकारों का नाश कर आत्मा की शुद्धता को प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि महावीर को केवल इतिहास या मूर्तियों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने जीवन में उतारें। बाहरी दृष्टि से अंतर केवल इतना है कि हम विकृतियों में जी रहे हैं, जबकि भगवान महावीर ने अपने जीवन से समस्त विकारों को दूर कर पूर्ण विशुद्धता प्राप्त की।

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
सत्य "अहिंसा धर्म" हमारा, "नवकार हमारी शान" है,
"महावीर" जैसा नायक पाया, "जैन हमारी पहचान" है
RAMESH :- 9300618311
MAHESH :- 9009450121
RAHUL :- 9109300104
NARESH :- 9301399243
JAIN TRADERS
Wholeseller & Retailer of:-
Paper Glass,Paper Plates,Rubber Band,Paper Boxes,Tissue Paper Etc.
Near Gitanjli Hotel,Narmada Para,Gudyari Raipur (C.G.)

आप सभी को
भगवान महावीर जयंती की
हार्दिक शुभकामनाएं.
100%Veg
® हर खुशी, हर उमंग, नैवेद्य के संग
SWEETS | NAMKEENS | BAKERY | FASTFOOD | KULFI | THALI
NAIVEDYA®
SINCE 1994
नैवेद्य फुड प्रॉडक्ट्स
6,7 शास्त्री मार्केट, रायपुर, फोन : 7771008500
6,7, रहेजा टॉवर्स, जेल रोड, रायपुर, फोन : 7771008501
शंकर नगर, रायपुर फोन : 7771008502

भगवान महावीर जन्मकल्याणक के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
Mukesh Kumar Jain
9826341904, 9479075294
Swasti Shree Enterprises
SALES & SERVICE NOTE
COUNTING MACHINE
Shop No-4, Rathore Plaza Complex, Near Lalta Chowk,
Giri Chowk Badhaipara, Raipur (C.G.) 492001
E Mail : mkhain1612@gmail.com

भगवान महावीर जन्मकल्याणक की हार्दिक शुभकामनाएं
संदीप जैन
98271-64793
दीपक जैन
99269-26900
PUMPS & MOTORS
CRI Lubi Crompton
– : अधिकृत विक्रेता :–
एलाईड एग्रो इंजीनियर्स
संदीप इंटरप्राइजेस
4-चंद्रकला, श्रीमती सूरजादेवी शुक्ला मार्केट, स्टेशन रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)
फोन : 9827164793, मो. : 9926926900 E-mail : alliedagro@rediffmail.com

राजस्थानी समाज ने विश्व अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाया

रायपुर (विश्व परिवार)। स्थानीय वृंदावन हॉल में राजस्थान दिवस समारोह उल्हासपूर्वक संपन्न हुआ।

समारोह को संबोधित करते हुए संयोजक कैलाश रारा ने कहा कि राजस्थानी समाज ने देश एवं दुनियां की अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्य वक्ता गिरीश पंकज ने कहा कि राजस्थान के कण कण में महाराणा प्रताप का शौर्य, मीरां की भक्ति एवं भामाशाह के दान की गाथाएं गुंजती है। जनमन के संपादक डॉ. अनिल द्विवेदी ने राजस्थानी वीरांगनाओं की शौर्य गाथा का विस्तार पूर्वक वर्णन किया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य उद्योग विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों को छत्तीसगढ़ में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि निशक्तजन वित्त एवं

विकास आयोग के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने राजस्थानी संस्कृति के सर्वांगीण विकास पर बल दिया। जितो अध्यक्ष तिलोक बरड़िया ने समाज में राजनैतिक चेतना के विकास पर बल दिया। उद्योगपति ललित पटवा ने राजस्थानी समाज को अपने सेवा कार्यों को नए युग की नई चुनौतियों के अनुरूप प्रस्तुत करने का सुझाव दिया।

समाजसेवी उषा गंगवाल ने मातृभाषा के संस्कारों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया। ज्योतिर्विद डॉ. अजीत शास्त्री ने सामाजिक संगठन की आवश्यकता को प्रमुखता से लेने का सुझाव दिया। जैन श्वेतांबर खरतरगछ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश सुराणा ने कहा कि जब तक हम अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे तब तक हमारा सांस्कृतिक वैभव कायम रहेगा। प्रवक्ता राजकुमार राठी ने प्रदेश में राजस्थान भवन के शीघ्र निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। सभा को मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुरषोत्तम सिंघानिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कवि राजेश जैन %राही% एवं पूजा अग्रवाल की सुमधुर कविताओं ने समां बांध दिया। इस अवसर पर समाज में विभिन्न सेवा कार्यों के लिए 30 लोगों को सम्मानित किया गया। मंच का सफल संचालन ममता जैन के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से लाहोटी मित्र मंडल के साथ लक्ष्मी नारायण लाहोटी, शुभांगी आप्टे, प्रजापति समाज की महिला महासभा अध्यक्ष शीला प्रजापति, वनबंधु परिषद की अनीता खंडेलवाल, चरामेती फाउंडेशन के राजेंद्र ओझा, जैन जितेंद्र गोलछा, भरत जैन, लोकेश चंद्रकांत जैन, राजीव जैन, अमर बंसल, पारस पापड़ीवाल, प्रदीप गंगवाल, अरविंद जैन, राजेन्द्र उमाठे, अजय जैन, अरिहंत जैन, श्रीमति रानी जैन, वीर जैन, पवन रारा, महेंद्र सेठी, राजेंद्र स्वस्तिक, कविता शर्मा, अशोक वैश्य एवं ऋषि गुप्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

घर से दूर घर जैसा...
ठहरने की उत्तम व्यवस्था

अतिशय रेसीडेंसीज

(AC & NON AC ROOM)

एक बार रुक कर देखें

- नाश्ते व खाने की उत्तम व्यवस्था है।
- मिटींग हॉल व शादी-विवाह हेतु बुकिंग की जाती है।
- पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध है।

बस स्टैण्ड के पास, कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग)
Ph.: 07764-251444 Mob.: 07587870087

महावीर जयंती की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ..

भगवान महावीर जन्म कल्याणक की हार्दिक शुभकामनाएं

Arvind Jain
94255 07879

Ayush Jain
8223999898

Anuj Jain
9406008545

Authorised Dealer Of C.R.I. PUMPS & Dulux Paints, Ashirvad Pipes, Finolex Pipes, Astral Pipes

Pumping trust. Worldwide

MAHAVIR PUMPS & HARDWARE
Gurunanak Chowk, M.G. Road,
Raipur (C.G.) Phone : 0771-2227019

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354